हिन्दी मासिक

माली सैनी सन्देश

जोधपुर

निष्पक्ष, निडर नीतियुक्त पत्रकारिता

वर्ष : 8 • अंक 102 • 31 दिसम्बर, 2013 • मूल्य : 150/- वार्षिक

नववर्ष आप सभी के लिए मंगलकारी हो

माली छात्र संघ मथानियां के वार्षिक उत्सव की झलकियां

RAJHIN 16445/20/1/2013-TC

माली सैनी सन्देश

● वर्ष : 8 ● अंक 102 ● नवम्बर-दिसम्बर (संयुक्तांक) ● मूल्य : 150/- वार्षिक

सम्पादक मण्डल

संरक्षक :

श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा
(अध्यक्ष, जोधपुर ठेकेदार ऐसोसियेशन)
(अध्यक्ष, माली सैनी समाज सेवा समिति)

सह संरक्षकः

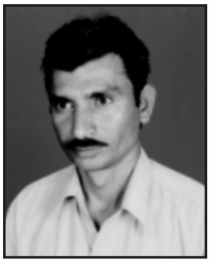

श्री ब्रह्मसिंह चौहान
(पूर्व पार्षद)

प्रेस फोटोग्राफर

जगदीश देवड़ा
(रितू स्टूडियों मो. 94149 14846)

मार्केटिंग इंचार्ज

रामेश्वर गहलोत
(मो. 94146 02415)

कम्प्यूटर

इरशाद ग्राफिक्स, जोधपुर
(मो. 7737651040)

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के विचार है। किसी भी विचार के साथ सम्पादकीय सहमति का होना आवश्यक नहीं है। सभी प्रसंगों का न्यायिक क्षेत्र जोधपुर ही होगा।

इस अंक में

आवरण कथा

विधान सभा चुनावों में राजस्थान व मध्यप्रदेश में माली सैनी समाज के 4-4 विधायकों ने जीत का परचम लहराया

शिक्षा से ही समाज का विकास संभवः सोलंकी

अखिल भारतीय माली सैनी सेवा सदन के कार्यालय का उद्घाटन

गहलोत पत्रवाचन करने अमेरिका जाएंगे

मेड़ता सिटी, सातलवास में फुलमाली समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में

11 हाथियों पर आई दूल्हों की बारात।

शिक्षादान प्रोजेक्ट हेतु राष्ट्रीय समिति की बैठक

उदयपुर समाज के त्रिवार्षिक चुनाव -2013 संपन्न

फुले के निर्वाण दिवस पर समाज की विभिन्न संस्थाओं ने महात्मा फूले के जीवन से प्रेरणा लेने की शपथ ली

राजीव गांधी युवा क्लब भारत सरकार द्वारा सम्मानित

28 नवम्बर महात्मा जोतीराव फुले की 123वीं पुण्यतिथि

महाराजा शूर सैनी दल का गठन

श्री प्रभुलाल सैनी

विविध समाचार

सम्पादक की कलम से ...

युवा सन्देश

विश्व समुदाय की सबसे छोटी ईकाई परिवार माना गया है एवं दहाई के रूप में समाज माना गया है। अत: विकास शील को समाज से एवम् बड़ी आशा समान को युवाओं से होती है। मनुष्य की युवा अवस्था ऐसी अवस्था मानी गयी है जो परिपस्व ऊर्जा से पूर्ण होती है। उसमे ईधन भरपूर होता है। केवल उसको अच्छी दिशा में मोड़ने वाला होना चाहिए। इस समाज के महानुभवो का कर्त्तव्य बनता है उनको अच्छी राह में मोड़े, जिससे परिपक्व ऊर्जा का उपयोग समाज के लिए सहायक हो सके।

युवा अवस्था या ऊर्जा भरपूर समय में मार्गदर्शन के आवश्यक तत्व जैसे शिक्षा बहुत जरूरी है। अशिक्षाएक ऐसा अमृत रूवी तत्व जो मनुष्य को इंसानियत की ओर ले जाता है। यदि शिक्षा को उचित समयज उचित शिक्षा स्वरूप उचित पाठ्यक्रम, स्थितिनुसार प्रदान की जाए तो शिक्षा एक ज्योति का कार्य करती है। हमारे प्रगतिशील समाज में ऐसी शिक्षा न केवल आवश्यक बल्कि सवत्त जरूरी है।

माली समाज के अनुभव समाजगणों से युवाओं की ओर से विनम्र प्रार्थना है कि हमारे समाज के युवाओं उचित शिक्षा, सुन्दर मार्गदर्शन देते रहे । ऐसा कार्य कई माध्यम से कियाजा सकता है संगोष्ठी कुलाकर, युवा सन्देश कार्यक्रम चलाकर हर जिले स्तर होना चाहिए। हर कोने में हमारा समाज व्याप्त है। यदि हमारे समाज का ग्रामीण स्तर इस क्षेत्र के प्रति क्रम जागरूक है। ताकि आने वाला समय में हमारा समाज विकसित श्रेणी का हो।

समस्त युवाओं से मैं हाथ जोड़कर प्रार्थना करता हू कि अब वह समय आ गया है जिसमें जागृत होना जरूरी है एवम् जागृति ही ऐसा सन्देश दे सकती है। युवा साभ हर समय चेतन रहे समाज के प्रत्येक लाडलेको प्राथमिक शिक्षा से जोड़े,

प्राथमिक को उच्च प्राथमिक से, उच्च प्राथमिक को माध्यमिक से, माध्यमिक को उच्च मा. से, उच्च मा. को महाविद्यालय से, महाविद्यालय को विश्व विद्यालय से संबंध जोड़ने का न केवल प्रयास करे बल्कि संकल्प लेना होगा।

- एक वर्ष की योजना कि लिए अन्न उगान चाहिए।
- दस वर्ष की योजना के लिए वृक्ष लगाना चाहिए।
- सौ वर्ष की योजना के लिए शिक्षा का प्रबंध करना चाहिए।

जय माली सैनी समाज

''समाज राज्य देश विश्व का भविष्य युवाओं में प्रतिस्तिम्बित होता है।''

मनीष गहलोत
प्रधान सम्पादक

विधान सभा चुनावों में राजस्थान व मध्यप्रदेश में माली सैनी समाज के 4–4 विधायकों ने जीत का परचम लहराया

प्रभुलाल सैनी बनें कृषि, डेयरी, मत्सय एवं पशुपालन केबिनेट मंत्री

सरदारपुरा (जोधपुर)
से विजयी विधायक
माली सैनी समाज के
श्री अशोक गहलोत
(पूर्व मुख्यमंत्री)

अंता से विजयी विधायक
माली सैनी समाज के
श्री प्रभुलाल सैनी
(कृषि एवं पशुपालन मंत्री)

धौलपुर से विजयी विधायक
माली सैनी समाज के
श्री बी. एल. कुशवाहा

खेतड़ी से विजयी विधायक
माली सैनी समाज के
श्री पूरणमल सैनी

जयपुर। हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में माली सैनी समाज के अनेकों राजनैतिज्ञों ने विभिन्न दलों एवं निर्दलयों के रूप में भाग लिया लेकिन विजयश्री केवल 8 लोगों को ही प्राप्त हुई।

राजस्थान में हुए विधान सभा चुनावों में राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत (काँग्रेस) सरदारपुरा, जोधपुर से 18474 मतों से विजयी हुए। भाजपा के श्री प्रभुलाल सैनी ने अंता (बांरा) से पूर्व मंत्री प्रमोद भाया को हरा कर जीत दर्ज की। धोलपुर से बसपा के उम्मीदवार श्री बी.एल कुशवाहा, खेतड़ी से बसपा के उम्मीदवार श्री पूरण लाल सैनी ने कांग्रेस के वर्तमान मंत्री श्री जितेन्द्र सिंह को हरा कर विजयश्री प्राप्त की। इसके अलावा अन्य श्री भगवान सहाय सैनी, कांग्रेस, (चौमूं), श्री रामकिशोर सैनी, कांग्रेस, बांदीकुई (सवाईमाधेपुर), श्री गोपाल गहलोत, कांग्रेस, (बीकानेर), श्री जगदीश सैनी, भाजपा, नवलगढ़, (झुंझुंनु), पूर्व महापौर श्री राजेन्द्र कुमार गहलोत, राजपा, सुरसागर (जोधपुर), श्री पवन सैनी, राजपा, सूरतगढ़, चुरू, श्री दौलतराम कुशवाहा, बसपा, बाड़ी, धैलपुर, श्री मनीष सैनी, राजपा, मालपुरा, टोंक, श्री ओमप्रकाश सुमन, राजपा, अन्ता, बांरा, श्री मुकेश सुंदेशा राजपा भीनमाल को विधानसभा चुनावों में हार का सामना करना पड़ा।

मध्य प्रदेश में हुए विधान सभा चुनावों में कांग्रेस की कुमारी हीना लिखीराम कावरे, लाँजी (बालाघाट), इंदौर से श्री महेन्द्र हार्डिया, भाजपा, (इन्दौर क्र.5), ग्वालियर, दक्षिण से श्री नारयणसिंह कुशवाहा, भाजपा, ग्वालियर ग्रामीण से श्री भारत सिंह कुशवाहा, भाजपा ने जीत दर्ज कर विधायक बनने का सौभाग्य प्राप्त किया। इनके अलावा पराजित होने वालों में श्री रामकिशोर कावरे, भाजपा परसवाड़ा, बालाघाट, श्री सुखलाल कुशवाहा, बसपा, नागौद, सतना श्री उदयसिंह पंचेश्वर, बसपा, कंटगी, बालाघाट, श्री चेतन नागेश्वर, बसपा, बालाघाट, श्री योगेश सैनी, सपा, नीमच, श्री मदन सिंह कुशवाहा, बसपा, ग्वालियर, ग्रामीण, श्री बसंत पटेल, बसपा, दमोह, श्री विक्रम सिंह कुशवाहा, बसपा, शमशाबाद, विदिशा, श्री हरि सिंह कुशवाहा, बसपा, बासोदा, विदिशा। इसके अलावा छत्तीसगढ़ से श्री कार्तिक राम पटेल, स्वाभीमान मंच, कवर्ध, श्री कन्हैया पटेल, बसपा कवर्ध, श्री चम्पालाल पटेल, निर्दलीय, खल्लारी, महासमुन्द सभी पराजित हुए। दिल्ली श्री दयाराम सैनी, एनसीपी सदर बाजार सीट, श्री एम. एल. सैनी बसपा पराजित रहे।

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव 2013 में विजयी माली समाज के प्रत्याशी

महेन्द्र हार्डिया

नारायणसिंह कुशवाहा

कु. हीना लिखवीराव

भारतसिंह कुशवाहा

शिक्षा से ही समाज का विकास संभवः सोलंकी

जोधपुर विकास प्रधिकरण के अध्यक्ष राजेन्द्र सोलंकी ने बताया कि प्रतिस्पर्धा के युग में शिक्षा से ही समाज का विकास होता है। युवा वर्ग नशाप्रवृति से दूर रहे। अध्यक्ष सोलकी मंगलवार को क्षेत्र के जुगतसिह नगर में माली छात्र संघ मथानिया के 29वें वार्षिक सम्मेलन व प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने बताया कि हमें बालिका शिक्षा को बढ़ावा देना चाहिए। युवाओं को केरियर गाइड सेन्टर के माध्यम से प्रेरित करें। ताकि वे समाज के हर क्षेत्र में आगे बढ़ सके। समारोह के विशिष्ट अतिथि राजसिको के चैयरमैन सुनिल परिहार ने बताया कि समाज के लोग कृषि को उद्योग के रूप मुं काम ले। जैविक खेती, जैविक सब्जियों उन्नत पशुपालन के क्षेत्र में सहकारिता के रूप में काम करें। वहीं ओसियां सरपंच संघ के अध्यक्ष प्रेमसिंह परिहार, कस्टम डिप्टी कमीश्नर काडला पारस सांखला, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष एडवोकेट बंशीलाल कच्छावाह, छात्र संघ संस्थापक प्रेमसुख कच्छावाह, शिक्षक नेता बालकिशन परिहार व समारोह के अध्यक्ष बालरवा सरपंच बाबूलाल परिहार ने भी अपने विचार रखें।

इस अवसर पर मथानिया मार्केटिंग के उपाध्यक्ष पाबूराम गहलोत समिति के सदस्य खुशालराम परिहार, माणकराम परिहार, माणकराम टाक, बालेसर सरपंच खेताराम परिहार, तिंवरी सोसायटी अध्यक्ष बाबूलाल परिहार, अध्यक्ष सोमराज सांखला, चैनाराम टाक, मालूंगा सरपंच जेनाराम बडला-बासनी सरपंच कालूराम टांक, संरपचपति केवलराम गहलोत, बाबूलाल, भतूराम, जयनारायण गहलोत, बिरमाराम सांखला, विक्रमसिंह परिहार, धनराज सांखला, हरिद्वार ट्रस्टी नरपतसिंह, पार्षद मंयक, कांग्रेस जिला महामंत्री मोहन लाल परिहार, लेखराज गहलोत व छात्र संघ अध्यक्ष युधिष्टर परिहार परिहारसहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। इस दौरान मुख्य अतिथि सोलकी ने माली नव जागरण संदेश पत्रिका का विमोचन किया। वही शिक्षा खेल-कूद व सरकारी नौकरियों इत्यादि क्षेत्र उल्लेखनीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं का प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

अखिल भारतीय माली सैनी सेवा सदन के कार्यालय का उद्घाटन

दिनाँक 27-10-2013 को श्री नर्वदेश्वर महादेव अखिल भारतीय माली (सैनी) सेवा सदन संस्थान पुष्कर में नया कार्यालय भवन की उद्घाटन संस्थान के अध्यक्ष श्री ऊँकारराम कच्छवाहा द्वारा किया गया। पूजा अर्चना के साथ उद्घाटन हुआ जिसमें संस्थान के प्रबन्ध कारिणी के सदस्य श्री बाबूलाल दगदी, श्री ओम प्रकाश साँखला, श्री ताराचन्द गहलोत, श्री भागचन्द पंवार, श्री रूपचन्द मारोठिया, श्री माँगीलाल भाटी, श्री महेश चौहान, श्री भागचन्द साँखला, श्री महावीर चौहान पत्रकार, श्री सत्यनारायण भाटी, श्री कैलाश चौहान, श्री दीपाराम कच्छवाहा, श्री पाबुराम , श्री हसंराज, श्री मगनीराम, श्री लेखरामजी व समाज की विभिन्न संस्थाओं के सैकड़ों समाज बंधु उपस्थित थे।

गहलोत पत्रवाचन करने अमेरिका जाएंगे

जोधपुर। जेएनवीयू में वनस्पति विभाग के अध्यक्ष प्रो.हुकमसिंह गहलोत 19 नवंबर को चार दिवसीय यात्रा पर अमेरिका जाएंगे। वे वहां सेंट एंटोनियो शहर में ग्यारहवीं अंतरराष्ट्रीय डेजर्ट तकनीक संगोष्ठी में थार में पाए जाने वाले वनस्पति व जीवाणुओं पर शोध एव सरंक्षण पर पत्रवचन करेंगे। प्रो. गहलोत अंतरराष्ट्रीय कमेटी सदस्य के रूप में संगोष्ठी के एक सत्र की अध्यक्षता भी करेंगे। बोरोलोग संस्था के एशियन देशों के सलाहकार डॉ. डेविस ने प्रो. गहलोत के मरूस्थल में भूमि उर्वरता बढ़ाने वाली नवीन जीवाणुओं के शोधकाग्र को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया हैं।

मेड़ता सिटी, सातलवास में फुलमाली समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में 11 हाथियों पर आई दूल्हों की बारात।

'हाथी पर आए दूल्हे, ट्रैक्टरों में आई दुल्हनें'

मेड़ता। अखिल भारतीय माली समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष इंद्र सिंह सैनी ने कहा कि माली समाज ने देश के विकास और तरक्की में कदम से कदम मिलाकर काम किया है मगर समाज को अभी और आगे लाने की जरूरत है। समाज में युवा प्रतिभाओं को पहचानने और उसके विकास के लिए भी प्रयास होने चाहिए। इतना विशाल निशुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित करना हमारे समाज के लिए गर्व की बात है। ऐसे आयोजनों से फिजूलखर्ची पर भी रोक लगती है और समाज के विकास को रफ्तार मिलती हैं इस मौके पर शिव सेना कमांडो के प्रदेशाध्यक्ष कालूराम सांखला ने कहा कि समाज के विकास के लिए ऐसे आयोजन खास भूमिका निभाते है। इनसे युवा पीढ़ी को भी जुड़ने का मौका मिलता है। हमारे समाज के युवा हमारी धरोहर हैं, इसके विकास के लिए भी अब समाज को पहल करने की जरूरत है। हमें समाज में फैली कुरीतियों को दूर करना होगा, तभी सही अर्थो में विकास होगा।

इस मौके पर डीसा (गुजरात) से आए समाज के रमेशचन्द्र, पुणे के हीरालाल बागड़ी, जयराम सांखला, गोरधन टांक, गोपाल भाटी, जबर सिंह भाटी, रामनिवास, राजेंद्र जगदीश टांक, गोपाल भाटी, जबर सिंह भाटी, रानिवास, राजेन्द्र, जगदीश टांक, कैलाश टांक, राजूराम, ताराचंद मोरोठिया, मेघाराम लटियाल आदि ने भी विचार रखें। सभी अतिथियो ने नव दंपतियों के मंगल जीवन की कामना की।

सातलावास में बुधवार को फूलमाली समाज के नि:शुल्क सामूहिक विवाह सम्मेलन में ब्यावर, खरवा, जैतारण, मेड़ता, अजमेर, पुष्कर, मोकलपुर, पादूकलां, रियांबड़ी सहित अनेक गांवों के 51 जोड़ों ने जिंदगी का सफर एक साथ शुरू किया। सम्मेलन में सभी इंतजाम पुख्ता रहे। दूल्हों की बारात 11 हाथियों पर सवार होकर विवाह स्थल पर पहुंची जिसे देखने के लिए पूर रास्ते में मजमा सा लगा रहा।

शिक्षादान प्रोजेक्ट हेतु राष्ट्रीय समिति की बैठक

दिल्ली, महात्मा फुले सामाजिक शिक्षण संस्थान के महासचिव रामनारायण चौहान ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि शिक्षा दान की अभिनव योजना को पूरा करने के लिए संस्थान की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की मिटिंग जो दिनाँक 15 दिसम्बर, 2013 (रविवार) को होनी थी जिसे आगे बढ़ाकर 19 जनवरी 2014 (रविवार) को प्रात: 11.00 बजे से शाम 5 बजे तक ए-103, ताज अर्पाटमेन्ट, गाजीपुर, दिल्ली-110096 मे आयोजित की गई है। जिसमें निम्नलिखित प्रस्तावों पर विचार विमर्श कर निर्णय लिए जाएगें। प्रमुख रूप से 1.पिछली मिटिंग में लिए गए निर्णयों का अनुमोदन। 2. संस्थान द्वारा किए गए कार्यो की जानकारी। 3. संस्थान को आयकर विभाग से धरा 80 जी का प्रमाण पत्रा एवं अन्य आयकर से सम्बन्धित कार्यवाही करने हेतु। 4. संस्थान द्वारा नियुक्त संयोजक की जानकारी। 5. संस्थान के पदाधिकारियों द्वारा किए प्रवासों की जानकारी। 6.संस्थान द्वारा ''शिक्षादान की अभिनव योजना'' के लिए भूमि क्रय करना। 7. संस्थान का शिक्षा प्रोजेक्ट, अनुंसधन प्रोजेक्ट, डेरी प्रोजेक्ट, बागवानी प्रोजेक्ट की प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने हेतु सलाकार की नियुक्ति। 8. आर्थिक पक्ष के सम्बन्ध में । 9. महात्मा फुले पर फिल्म अथवा टी.वी. सीरियल बनाने सम्बन्धी। 10. जयपुर सम्मेलन के सम्बन्ध में। 11. अन्य प्रस्ताव जो सभाध्यक्ष की अनुमति से प्रस्तावित हो। श्री चौहान ने बताया कि मीटिंग की अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष श्री शंकरराव लिंगे करेंगे, तथा विभिन्न 23 प्रदेशों से समिति के सदस्यों को आमंत्रित किया गया है।

सैनी आईना की 25वीं वर्षगांठ पर निःशुल्क प्रकाशित होगा युवक-युवतियों का बायोडाटा

इंदौर। आपको यह जानकर अत्यन्त ही हर्ष होगा कि माली सैनी समाज का भारत साप्ताहिक समाचार पत्र सैनी आईना अपनी 25 वीं वर्षगांठ इन्दौर शहर में मनाने जा रहा हैं सैनी आईना अपनी वर्षगांठ के शुभ अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम व पत्रकार समाजसेवी खिलाड़ियो का सम्मान भी करेगा। समारोह में सैनी आईना अपने अनुभव को लेकर किए गये कार्यो का उल्लेख एवम् भविष्य में समाचार पत्र के माध्यम से माली, सैनी, कुशवाह, मौर्य, समाज की आवाज शासन, प्रशासन सरकार तक पहुंचाने हेतु रणनीति तैयार की है। साप्ताहिक समाचार पत्र, सैनी आईना अपनी 25 वीं, वर्षगांठ पर एक स्मारिक का प्रकाशन करने जा रहा है, जिसमें विवाह योग्य युवक-युवतीओं का सम्पूर्ण बायोडाटा, अपना रंगीन फोटो अवश्य भेंजे। अंतिम तिथी 25 फरवरी 2014 तक है। इस संबध में अधिक जानकारी हेतु श्री हुकमचंद जादम से मोबाईल सं. 9179119330 पर संपर्क कर सकते है।

उदयपुर समाज के त्रिवार्षिक चुनाव -2013 संपन्न

उदयपुर। फूलमाली समाज हाथीपाल शाखा संस्थान, उदयपुर के त्रिवार्षिक चुनाव-2013, दिनांक: 10 नवम्बर 2013 को स्थान-10 फीट रोड स्थित नंद -भवन प्रांगण में सम्पन्न हुए। चुनाव पूर्ण विधिवत रूप से समाज द्वारा मनोनित चुनाव अधिकारी श्री भगवतीलाल कच्छावा व श्री रेवाशंकर दगदी के मार्गदर्शन में कराए गए। चुनाव में समाज के लगभग 500 बुंधओ ने अपने अमूल्य मत का प्रयोग किया। विशेष तौर पर युवाओं ने चुनाव में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर साबित किया की उनकी मजबुत भागीहारी समाज की प्रगति में कितनी महत्वपूर्ण है। सम्पन्न हुए चुनाव-2013 में श्री दौलतराम मोरी-अध्यक्ष, श्री मोहनलाल बड़ीवाल-उपाध्यक्ष, श्री गौरीशंकर तंवर-मन्त्री, श्री हेमराम चोंगवाल-सयुंक्त मन्त्री, श्री किशन दगदी-अर्थमन्त्री, श्री मोहनलाल तंवर-समाज मन्त्री, श्री लाकेश नारायण मोरी-सांस्कृति मन्त्री, श्री गणपत परमार-खेल मन्त्री व श्री घनश्याम परमार-संगठन मन्त्री चुने गये तथा 9 कार्यकारिणी सदस्य मनोनित किये गये।

अन्त में सभी ने पूर्णनिष्ठा, कर्तव्यपरायणता व ईमानदारी से अपने पद की गरिमा बनाऐ रखते हुए समाज के प्रति जिम्मेदारी से अपने कर्तव्य का पालन करने की शपथ ली।

फूलमाली समाज हाथीपोल शाखा संस्थान, उदयपुर

कार्यकारिणी सूची

1. श्री दौलतराम मोरी	अध्यक्ष
2. श्री मोहनलाल बडीवाल	उपाध्यक्ष
3. श्री गौरीशंकर तंवर	मन्त्री
4. श्री हेमराज चौंगवाल	सयुंक्त मन्त्री
5. श्री किशन दगदी	अर्थमन्त्री
6. श्री मोहन तंवर	समाज मन्त्री-1
7. श्री मांगीलाल गांगीया	समाज मन्त्री-2
8. श्री लोकेश नारायण मोरी	सांस्कृतिक मन्त्री
9. श्री गणपत जी परमार	खेल मन्त्री
10. श्री घनश्याम जी परमार	संगठन मन्त्री
11. श्री हीरालाल जी चावडा	सदस्य
12. श्री भगवतीलाल जी तंवर	सदस्य
13. श्री दोलतराम जी दगदी	सदस्य
14. श्री तुलसीराम जी चावड़ा	सदस्य
15. श्री परसराम जी सिसोदिया	सदस्य
16. श्री टेकचन्द जी तंवर	सदस्य
17. श्री रेवाशंकर जी दगदी	सदस्य
18. श्री भगवतीलाल जी कच्छवा	सदस्य
19. श्री पुष्कर जी दगदी	सदस्य
20. श्री जमनालाल जी तंवर	सहवृत सदस्य
21. श्री बाबुलाल जी बडीवाल	सहवृत सदस्य

फुले के निर्वाण दिवस पर समाज की विभिन्न संस्थाओं ने महात्मा फूले के जीवन से प्रेरणा लेने की शपथ ली

पाली में श्रद्धा से मनाई गई फूले बा पुण्यतिथि

चूरु में श्रद्धा से मनाई गई फूले बा पुण्यतिथि

अलवर में श्रद्धा से मनाई गई फूले बा पुण्यतिथि

जोधपुर में फूले की पुण्यतिथि पर दीपदान करते समाजबंधु

ब्यावर में फूले की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए

भीलवाड़ा में फूले की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए

इन्दौर में फूले की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए समाजबंधु

झुंझुनू में फूले की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए समाजबंधु

-:अपील:-

समस्त माली (सैनी) समाज, जैतारण (पाली) राज.

यह ठीक ही कहा जाता है कि ''साहित्य समाज का दर्पण होता है। साहित्य के माध्यम से ही समाज की भूत एवं वर्तमान काल की स्थिति सामने आती है तथा भविष्य की योजनाओं की भी जानकारी मिलती है। जैतारण क्षैत्र में भी माली समाज की स्थिति को प्रकट करने वाला साहित्य प्रकाशित करने के प्रयास हुए किन्तु वर्तमान में ऐसी कोई पत्र-पत्रिका/पुस्तक प्रकाशित नहीं की जा रही है जो सम्पूर्ण जैतारण क्षेत्र में माली (सैनी) समजा की जानकारी प्रदान करें। इस दृष्टि से यह आवश्यक है कि समाज की वर्तमान स्थिति को दर्शाने वाला ग्रंथ (पुस्तक रूप में) प्रकाशित हो। जैतारण क्षेत्र का माली समाज एक प्रगतिशील समाज है। कई क्षेत्रों में इसका विकास हुआ है जबकि कई क्षेत्र ऐसे है जिनमें अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। हम चाहते है कि हमारा समाज समय की आवश्यकता के अनुरू निरंतर आगे बढ़ें। इसके लिए हमें व्यक्तिगत रूप से तथा सामूहिक रूप से भी निरंतर प्रयास करने की आवश्यकता है ताकि समाज का सवोर्गीण विकास हो।

विकास ही कोई योजना वर्तमान स्थिति को पूरी तरह समझे बिना सफल नहीं हो सकती। इसलिए यह तय किया गया है कि समस्त माली (सैनी) समाज जैतारण की सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक, पारिवारिक तथा व्यावसायिक स्थिति को प्रकट करने वाली एक पुस्तक (परिचयात्मक ग्रंथ) प्रकाशित हो ताकि हम हमारे समज की वर्तमन स्थिति के ठीक तरह से समझें, एक-दूसरें से परिचित होकर विचारों का आदान-प्रदान करें तथा समाज के शैक्षणिक तथा आर्थिक स्तर को उँचा उठाने के लिए मिलकर प्रयास करें। इस महत्वपूर्ण पुस्तक को प्रकाशित करने में सहयोग के लिए अपने क्षेत्र (ग्राम/कस्बा/शहर) से सम्बन्धित निम्न प्रकार की जानकारी (सूचना विवरण) हमें यथाशीघ्र भेजने का कष्ट करें ताकि नववर्ष (2014) को प्रारम्भ में इस महत्वपूर्ण पुस्तक को प्रकाशित किय जा सके।

1. आपकी सामाजिक संस्था/संगठन की जानकारी (कार्यकारिणी-नाम, फोटो परिचय सहित)।
2. क्षेत्र के सामाजिक भवन (मंदिर, छात्रावास, विद्यालय, धर्मशाला आदि) की जानकारी।
3. क्षेत्र के राजनेता/जनप्रतिनिधि (पार्षद, पंच, सरपंच आदि) अधिकारी, उद्योगपति की जानकारी।
4. सरकारी कर्मचारियों, अधिकारियों का पूरा विवरण (फोटा सहित)
5. क्षेत्र के विकास काट ठर्य/भावी विकास कार्यों की पूर्ण सूचना।
6. क्षेत्र में शिक्षा की स्थिति, प्रतिभाशाली बालक/बालिकाओं का परिचय।
7. शिक्षा, साहित्य, खेल, विज्ञान, उद्योग, कृषि में प्राप्त विशिष्ट उपलब्धियो की जानकारी।
8. विवाह योग्य युवक, युवतियों की सूचना (फोटो, नाम, योग्यता आदि सहित)।
9. स्वदेश या विदेशों में कार्यरत स्वजाति व्यक्तियों/संस्थाओं /व्यावसायिक संस्थाने संगठनों का परिचय।
10. समाज की शिक्षा, एकता, संगठन, राजनैतिक स्थिति/जागृति सम्बन्धी मौलिक लेख।
11. अन्य जानकारी/विवरण/सूचना जो प्रकाशन योग्य हो (आप उचित समझें)।

विशेष:- व्यावसायिक (व्यापारिक) संस्थाओं/संगठनों के विज्ञापन भी इस पुस्तक में दिय जा सकते हैं। सभी विज्ञापन फोटो/परिचय सहित मल्टीकलर (बहुरंग) में श्रेष्ठ के कागज पर प्रकाशित होंगे। विज्ञापन दरें निम्नानुसार है:-

1. मुख्य पृष्ठ (सामने का) आधा तथा कवरपृष्ठ पिछला पूरा- 21 हजार रू.
2. कवर पृष्ठ अंदर का सामने का तथा पिछजा पूरा पृष्ठ 11 हजार रू.
3. अन्य पूरा पृष्ठ (प्रथम तीन) 10 हजार रू.
4. अन्य पूरा पृष्ठ/आधा/चौथाई 7100रू./5100 रू./ 3100रू.

प्रस्तावित सामाजिक पुस्तक में प्रकशन योग्य सामग्री, विज्ञापन, सुझााव तथा शुभकांमनाओं के पूर्ण सहयोग की आशा के साथ-

:शुभेच्छु:

लक्ष्मीनारायण गहलोत
सदस्य कार्यकारिणी
माली (सैनी) संस्थान, जैतारण
(से.नि. प्रधानाध्यापक) मो. 9783737902

किशनलाल साँखला
(से.नि. प्रधानाचार्य)
पोकरणा की पोल, जैतारण (पाली)
मो. 82907-50828

28 नवम्बर महात्मा जोतीराव फुले की 123वीं पुण्यतिथि

महात्मा गाँधी के असली महात्मा फुले

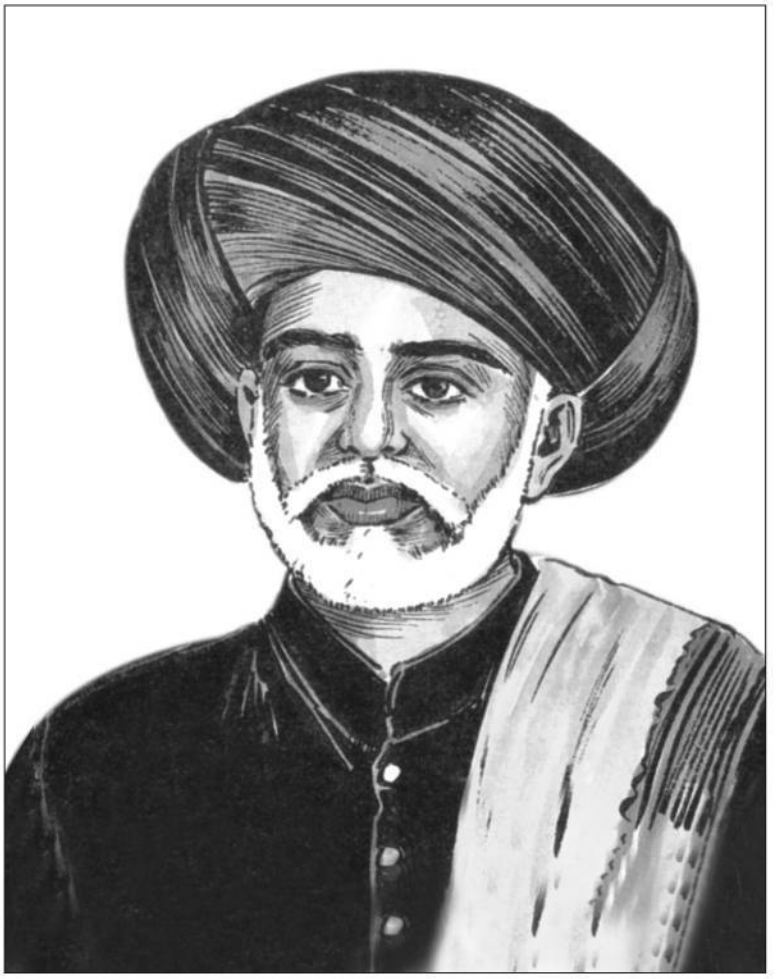

यह सच है कि जमाना समय समय पर करवट ले कर मानव कल्याण के लिए वैज्ञानिक आधारों का नया रास्ता खोजकर बदलाव की प्रक्रिया में पहुँचता है। एक जमाना व था जिसमें मानव को जीवन यापन करने के लिए संघर्षो का ही नहीं कठोर शारीरिक परिश्रम करके उदर भरण करने के लिए देनन्दिनी प्रयास करना पड़ता था। जिसे आदिम युग कहा जा सकता है। फिर धीरे-धीरे बदलाव हुआ और परिस्थितियों ने मानव को तन ढकने के लिए कपड़े पहनना सिखाया, भोजन के लिए अन्न का उपयोग करना सिखाया, रहने के लिए घर बनाना सिखाया, परस्पर मेल-जोल के लिए रीति-रिवाज अपनाने का मार्ग बताया। एक दूसरे के साथ व्यवहार करने के लिए नैतिक आचरण का पाठ सिखाया, राजा और प्रजा के कार्यो का विभाजन हुआ, पढ़ना लिखना सिखाया, आवागमन के साधन का निर्माण हुआ। इस प्रकार मानव सभ्यता में समय-समय पर बदलाव होकर एक अच्छा मानव बनने का प्रक्रिया जारी है। महात्मा फुले का हम यहाँ केवल महात्मा गाँधी की तुलना के पहलू पर ही विचार कर रहे हैं।

तथागत बुद्ध भारत में सर्वप्रथम मानव कल्याण करने वाले प्रथम महात्मा हुए। उनके बाद 11 अप्रैल 1827 को सामाजिक क्रान्ति के जनक जोतीराव फुले का पुणे में जन्म हुआ जो दुसरे महात्मा हुए। और भारत की अहिंसक आजादी के नेता मोहनदास करमचन्द गाँधी को रविन्द्र नाथ टैगोर ने तीसरा महात्मा बनाया। इन तीनों महात्माओं की जीवन की अनेक घटनाँए मानव कल्याण, सत्य और अहिंसा के पैगाम लेकर स्थापित हुई। फुले का कार्यकाल 28 नवम्बर 1890 को समाप्त हुआ। इसके पूर्व 1885 में काँग्रेस का जन्म हो चुका था। और आजादी के आन्दोलन का सुत्रापात था। इस आन्दोलन के पूर्व ब्रिटिश राज्य के खिलाफ अखण्ड भारत में विभिन्न स्थानों पर अपने-अपने तरीके से विरोध होता रहा है। फुले ने अग्रेंजी राज के खिलाफत कूटनीति तरीके से की थी। वेदों की रीति से मानव जीवन की व्यवस्था के हिमायती बिल्कुल नहीं थे। फुले वैज्ञानिक आधारों पर समतामय सुशिक्षित समाज का निर्माण करने के पक्षधर थे।

महात्मा गाँधी अफ्रीका से भारत आने के बाद आजादी के आन्दोलन में कूद पड़े, गाँधी को भारत की आजादी के लिए इतिहास के अवालोकन से ज्ञात होता है कि वे फुले के जीवन व कार्यो से प्रभावित होकर ही अपना जीवन उसी भांति जीने की ओर आगे बढ़े। जैसा कि जोतीराव हाथ में डंडा लेते थे- गाँधी भी डंडा लेते थे। नंगा बदन उनका आधी धोती, किसानों मजदूरों के प्रति करूणा, सत्य में अकाट्य निष्टा, सामाजिक विषमता को दूर करना, देश-प्रेम, शोषकों से घृणा, उत्पीड़ितों से नाराज़गी, निर्भीकता, मुँहतोड़ उत्तर, दलितों-शोषितों से मैत्री, हाथ से काती हुई खादी का वस्त्र आदि समान भाव थे। दोनों की यही पहचान थी। गाँधी फुले की अनुकृति मात्र थे, ब्रिटिश से प्रीति और विरोध इन दोनों महात्माओं में विद्यमान था। ब्रिटिश शासन की अच्छाइयों को पसन्द करना तथां अनीति से रूष्ट होना दोनों का प्रकृति धर्म बन गया था। दोनों पर प्राणघाती प्रहार हुए, दोनों को हत्यारों का सामना करना पड़ा। संयोग था कि फुले तलवारों के वार से बच गये, जबकि गाँधी गोली खाकर शहीद हुए। दोनों ऊँची जाति की गुलामी से मुक्त करने की चेष्टा करते रहें। अग्रेंजों की गुलामी से भारत को मुक्त करने का प्रयास करते रहे। दोनों शुद्रों एवं पिछड़ों के उद्धारक थे। बस एक ही अन्तर था। फुले सामाजिक क्रान्ति चाहते थे। और गाँधी राजनैतिक क्रान्ति चाहते थे। फुले शिक्षा के

राजीव गांधी युवा क्लब भारत सरकार द्वारा सम्मानित

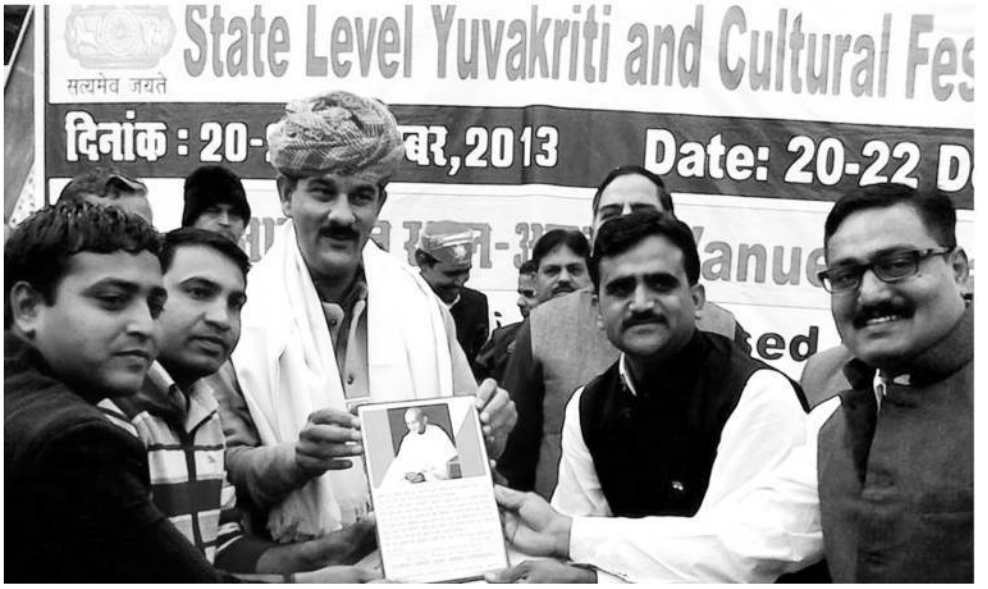

भोपालगढ़ उपखण्ड मुख्यालय पर स्थित लम्बे समय से सामाजिक व युवा रचनात्मक कार्यों से जुड़े राजीव गांधी युवा क्लब भोपालगढ़ को भारत सरकार के नेहरू युवा केन्द्र संगठन द्वारा राज्य स्तर पर श्रेष्ठ युवा क्लब पुरस्कार प्रदान किया गया। केन्द्रीय मंत्री युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार भँवर जितेन्द्र सिंह के हाथों 25000 रूपये का चैक, प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया है। पुरस्कार क्लब के अध्यक्ष-क्विकरण सैनी, सचिव-हेमसिंह सोलंकी व उपाध्यक्ष-सिराजुद्दीन को अलवर में आयोजित राज्य स्तरीय युवा सांस्कृतिक महोत्सव में दिया गया। नेहरू युवा केन्द्र संगठन भारत सरकार के निदेक्क एस. एन. शर्मा ने भी राजीव गांधी युवा क्लब भोपालगढ़ के कार्यो की सराहना करते हुए सम्मानित किया। नेहरू युवा केन्द्र संगठन जोधपुर के युवा समन्वयक एस. एस. जोक्की ने बताया की वर्ष 2012-13 में ग्राम स्तर पर युवा मण्डलों द्वारा किये जा रहे कार्यो के आधार पर राजीव गांधी युवा क्लब भोपालगढ़ द्वारा पिछले वर्ष 2012-13 में ग्रामिण क्षेत्रों में गांधी दर्क्न, नैतिक मुल्य, क्विक्षा, स्वास्थ्य, एवं युवाओं के व्यक्तित्व विकास एवं उनके रोजगार मार्गदर्क्न के लिए राज्य व केन्द्र सरकार द्वारा संचालित युवाओं के उत्थान एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रचार प्रसार कर हजारों लोगों को लाभान्वित कर महत्वपुर्ण भुमिका निभाई है इसके साथ ही साक्षरता के जागरूकता फैलाने के साथ स्कुल में बच्चों के दाखिले करवाने के बारे में गंभीर प्रयास किये गये तथा स्वरोजगार सृज्जन के लिए व्यवसायिक प्रक्विक्षण संचालित कर सैकड़ों ग्रामीण युवाओं व महिला सक्वक्तिकरण के बारे में जागरूकता, राष्ट्रीय एकता के विषय में युवाओं को प्रेरित किया तथा पर्यावरण संरक्षण तथा वृक्षारोपण पर विक्वेष कार्य किया गया। क्लब द्वारा दूरदराज के ग्रामिण क्षेत्र की सैकड़ों लड़कियों व महिलाओं को कम्प्युटर व सिलाई में प्रक्विक्षण प्रदान किया है, साथ ही विभिन्न राज्यों में युवा आदान प्रदान व राष्ट्रीय युवा एकता क्विविरों के तहत 16 राज्यों में प्रतिनिधि मण्डल भेजे गये। जिसमें करीब 300 युवाओं ने भाग लिया है।केन्द्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार व उनके क्रियान्वयन में महत्वपुर्ण भुमिका निभाई है।

भारतीय संस्कृति पुस्तक का हुआ लोकार्पण

कुचामन सिटी। संस्कृतज्ञ विद्वान आचार्य राम गोपाल शास्त्री फतेहपुर शेखावाटी की प्रकाशित पुस्तक 'भारतीय संस्कृति' का लोकार्पण श्री कुचामन पुस्तकालय, कुचामन सिटी जिला नागौर के सभा कक्ष में श्री गुलाब चन्द शर्मा, अध्यक्ष, श्री कुचामन पुस्तकालय (पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी, माध्यमिक शिक्षा) एवं श्री एम.एल. मण्डोत, प्राचार्य श्री कुचामन पुस्तकालय के कर कमलों से हुआ। श्री कुचामन पुस्तकालय के द्वारा गीता जयन्ती पर व्याख्यान देने के लिए 13 दिसम्बर 2013 को मुख्यवक्ता के रूप में आचार्य राम गोपाल शास्त्री को आमंत्रित किया गया था। आचार्य जी के साथ उनके साथी अणुव्रती श्री सतीश शाण्डिल्य, अहिंसा प्रशिक्षक को भी आमंत्रित किया गया था।

प्रमोद गहलोत
शेरसिंह गहलोत

गहलोत एजेन्सीज

(M) 9414766560
876999111

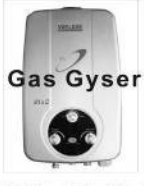

हमारे यहां पर सभी प्रकार के गैस के चुल्हे, भट्ठियां, पेट्रोमेक्स, लेम्प व स्टोव लाईटर, गैस गीजर, चिमनी, कुकर, मिक्सी, इलेक्ट्रीक एवं किचन संबधित आईटम व इनके पार्ट्स होलसेल रेट में बेचे व रिपेयर किये जाते है।

दुकान नं. 35- 36 ई, काम्पलेक्स, चाँदसा तकिया मार्केट, सोजती गेट, जोधपुर

INALSA Home Appliances
BAJAJ Electric
Surya flame
Sunflame
PKL LIMITED

माध्यम से देश को जागृत करना चाहते थे। गाँधी सत्याग्रह से। दोनों ही सत्य के अनन्य उपासक थे। फुले सत्य का प्रयोग देश के भीतर शोषकों के विरूद्ध कर रहे थे, और गाँधी बाहरी शोषकों के विरूद्ध। फुले की दृष्टि इस सन्दर्भ में अधिक दूरदर्शी सिद्ध हुई वह पहले देश के भीतर ऊँच-नीच, छुआ-छूत, अमीर-गरीब की समस्या का निदान नि: शुल्क शिक्षा से निराकरण चाहते थे। जिसमें विदेशी शासक बाधक नहीं थे। जबकि गाँधी पहले विदेशी शासक से मुक्ति चाहते थे। और उनका सपना था कि देशवासियों का स्वशासन हो जाएगा तो उक्त समस्या का समाधन अपने आप हो जाएगा। किन्तु ाफुले का अनुभव सत्य और सार्थक सिद्ध हुआ। भारत स्वतन्त्र हो गया। परन्तु स्वदेशी शासन में जाति-पाति, ऊँच-नीच तथा अमीर-गरीब की समस्या अधिकाधिक बढ़ते हुए जटिल हो गई। फुले ने अपने पत्र पत्रिकों में शीर्ष पर छपवा रखा था। ''सत्यमेव जयते'' इसी आधर पर उन्होंने 24 सितम्बर 1873 को सत्यशोधक समाज की स्थापना की। फुले का कोई अनुयायी सत्य की उपेक्षा नहीं कर सकता था। दोनों अपनी मर्यादा में कठोर थे। गाँधी और फुले दोनों ही सच्चे हिन्दू थे। दूसरे धर्मों के प्रति आदर- भाव रखते थे। हिन्दू धर्म में अनेकानेक त्रुटियाँ एवं दोष के रहते भी ये दोनों हिन्दु धर्म का त्याग करने के पक्ष में नहीं थे। फुले का समाचार पत्र 'दीनबन्धु' था, गाँधी का 'हरिजन'। फुले ने 13 मई 1888 को माली जाति की पंचायत का निर्वाचन कराया जिसमें 1,500 मतदाता शामिल थे। फुले स्त्राी शिक्षा के जनक थे। कुरीतियाँ, अन्ध विश्वास, का विरोध करते रहे। फुले मजदूर आन्दोलन के नेता थे गाँधी भी थे। फुले को 11 मई 1888 को उनकी सेवाओं के उपलक्ष में विशाल जनसभा में ''महात्मा'' की उपाधि दी गई। बड़ौदा के महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ ने फुले को ''भारत के वाशिंगटन'' की उपाधि से विभूषित किया। एक घटना दिसम्बर 1889 के दूसरे सप्ताह में हुई, काँग्रेस का अधिवेशन विलियम वेडरबर्न की अध्यक्षता में हुआ। जिसमें फुले के अनुयायीयों ने गरीब किसानों और मजदूरों की दशा सुधरने के लिए खुली माँग रखीं जिसमें किसान के कंकाल का पुतला अधिवेशन के समक्ष प्रस्तुत किया। परिणामस्वरूप फुले के अनुयायीयों की माँगों पर अध्यक्ष के भाषण में स्पष्ट उल्लेख आया था। हम यह अन्तर ही नहीं कर सकते कि फुले तथा गाँधी के कार्यों में कोई अन्तर था। इसी कारण दोनों महात्माओं का भारत की आजादी में महत्वपुर्ण योगदान था। गाँधी ने तो यरवदा जेल में फुले की जीवनी पढ़ कर उल्लेख किया कि असली महात्मा तो केवल ''महात्मा जोतीराव फुले ही है'' हम फुले के आदर्शो के अपनाकर मानवता की सेवा कर सकते है।

(रामनारायण चौहान)
महासचिव
महात्मा पफुले सामाजिक शिक्षण संस्थान, नई दिल्ली

महाराजा शूर सैनी दल का गठन

होशियारपुर। सैनी जागृति मंच पंजाब कीबैठक मंच के संस्थपक संदीप सैनी की प्रधानगी में सैनी धर्मशाला में आयोजित हुई। बैठक में सैनी बिरादरी की एकजुटता व तरक्की के लिए नौजवान वर्ग को ज्यादा संख्या में मंच के साथ जोड़ने के संबंध में विचार विमर्श कर यह फैसला लिया गया कि नौजवान वर्ग को सैनी बिरादरी के वंश प्रमुख महाराजा शूर सैनी के बारे में पूरी जानकारी देने हेतु महाराजस शूर सैनी दल का गठन किया जाए। मंच के प्रधान कुलवंत सिंह सैनी को महाराजा शूर सैनी दल का चैयरमेन नियुक्त किया। इसके अलावा सुरजीतसिंह को पंजाब इकाई का प्रधान दलजीतसिंह सैनी को वरिष्ठ उप

प्रधान अवतारसिंह सैनी को महासचिव, जगतार सैनी, रामकिशन, जसपाल सिंह प्रदीप सैनी को सचिव, गुरिन्द्र सिंह को कोषाध्यक्ष, गुरदित्त सिंह को प्रचार सचिव, विनोद सैनी को उप प्रधान नियुक्त किया गया। संदीप सैनी ने अपने सम्बोधन में कहा कि बिरादरी के सभी सदस्यों को महाज शूर सैनी के दर्शाए मार्ग पर चलना चाहिए। इस अवसर पर हरभजनसिंह सैनी, अशोक सैनी, एडवोकेट शक्तिसिंह सैनी, दविन्द्रसिंह पिंकी सहित भारी संख्या में सैनी बिरादरी से संबंधित लोग उपस्थित थे।

जीवन परिचय

सामाज रत्न कैबिनेट मंत्री

श्री प्रभुलाल सैनी

भाजपा की और से तिसरी बार श्री प्रभुलाल सैनी को अंता से टिकट प्रदान किया गया। श्री प्रभुलाल सैनी ने यहां भी जीत का परचम लहराया। आप ने तीनों बार अलग - अलग विधानसभा क्षेत्रों से पार्टी की ओर से विधानसभा चुनावों में जीत दर्ज कर जनता में अपनी लोकप्रियता सिद्ध की।

माली-सैनी सदा से ही प्रतिभा सम्पन्न रहा है। किसी भी दल से सही किंतु विधानसभा और मंत्रीमंडल में माली-सैनी समाज का प्रतिनिधित्व सदा से ही हो रहा है। हाल ही में गठित भाजपा सरकार के मंत्रीमंडल में कृषि, पशुपालन, मत्सय केबिनेट मंत्री बनाये गये श्री प्रभुलाल सैनी ने माली सैनी समाज के गौरव को बनाये रखा है। समस्त माली-सैनी समाज तथा विशेष रूप से माली सैनी संदेश मुख्यमंत्री महोदय को इस बात के लिए हार्दिक धन्यवाद देता है तथा आभार व्यक्त करता है कि उन्होंने मंत्रीमंडल में माली सैनी समाज को प्रतिनिधित्व प्रदान किया। केबिनेट मंत्री महोदय को भी मंत्री पद प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई। मंत्री पद के साथ ही आपके दायित्व भी बढ़ गये है। समाज की तरफ से यही शुभकामना और ईश्वर से भी प्रार्थना है कि वह आपको इतनी शक्ति व सामर्थ्य प्रदान करे कि आप चिरायु होते हुए अपने परिवार, समाज अपने क्षेत्र की जनता और सरकार के प्रति दायित्वों का भली प्रकार से निर्वाह करते हुए अत्यंत लोकप्रिय विधायक एवं मंत्री सि) हो सकें।

श्री सैनी का जन्म 25, सितंबर 1954 में टोंक जिले के आँवा ग्राम के किसान परिवार में हुआ। अने स्नातक उपाधि धारण करने के पश्चात् विधि में स्नातक उपाधि को प्राप्त किया द्धबी.ए., एलएल.बी.ऋ वकालात के पेशे को अपनाते हुए भी समाज सेवा तथा राजनीति में आपकी सदा से ही रूचि रही। समाज व जनता में लोकप्रियता प्राप्त करते हुए आप 1981 में आवा ग्राम पंचायत के सरपंच चुने गये। गांव के चहुमुखी विकास करते हुए अपने आपको एक लोकप्रिय एवं सफल सरपंच सि) किया। सफल सरपंच के पश्चात् आप देवली को जीतते हुए प्रधान पद को सुशोभित किया एवं 1995 से 2000 तक सफलतापूर्वक प्रधान के पद के दायित्व का निर्वाह किया। राजनीति की एक-एक सीढ़ी को पार करते हुए पिछले दो विधान सभा चुनावों में आपने भाजपा के टिकट पर पहले उनियारा तथा उसके बाद देवली से चुनाव लड़ा और विजयश्री प्राप्त की।

भाजपा की और से तिसरी बार श्री प्रभुलाल सैनी को अंता से टिकट प्रदान किया गया। श्री प्रभुलाल सैनी ने यहां भी जीत का परचम लहराया। आप ने तीनों बार अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों से पार्टी की ओर से विधानसभा चुनावों में जीत दर्ज कर जनता में अपनी लोकप्रियता सि) की। आपकी योग्यता, नम्रता, सद्व्यहार, मधुरभाषिता तथा आप नवगठित भाजपा सरकार में केबिनेट मंत्री बनाये गये। परिवार में आपकी धर्मपत्नी साधारण साक्षर किंतु श्रमनिष्ठ, कुशल गृहिणी तथा सात्विक प्रवृति की महिला है। तीन संताने है जिसमें दो सुपुत्रियाँ राजेश व मंजु द्धदोनो विवाहिताऋ तथा एक सुपुत्र मनीष है। आपके समस्त परिवार के उज्ज्वल भविष्य के लिये हार्दिक शुभकामनाएँ। राजस्थान की प्रथम महिला मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने अपने पिछले कार्यकाल द्ध2003-2008ऋ में पुराने मंत्री मंडल का विस्तार कर सत्रह मंत्री और बनाये। नये मंत्री मंडल का विभागों का बंटवारा कर दिया गया तथा पुराने मंत्रियों के विभागों में फेरबदल करते हुए उन्हें कुछ और विभागों की जिम्मेदारी सौपी गयी। इसके साथ ही श्री सैनी को कृषि के साथ डेयरी एवं पशुपालन विभाग भी दिया गया हैं। इस अवसर पर पत्रकारों के सवाल के जवाब में वसुंधरा राजे ने सैनी के कैबिनेट मंत्री बनाने पर कहा कि पिछले चार पांच माह बहुत अच्छा कार्य किया है जिसके फलिभूत उन्हें कैबिनेट मंत्री के पद से नवाजा गया है। श्री प्रभुलाल सैनी को राज्य मंत्री से कैबिनेट मंत्री के पद पर पदोन्नत करने पर समस्त माली समाज में हर्ष की लहर दौड़ गई थी। ज्ञातव्य है कि वसुंधरा राजे ने जहां अपने प्रथम शपथ ग्रहण समारोह में राज्य मंत्री के रूप में माली समाज के श्री प्रभुलाल सैनी को मंत्रीमण्डल में शामिल किया था। इसी तरह पुन: अपने नये कार्यकाल में प्रथम मंत्री मंडल गठन में श्री सैनी को कैबिनेट मंत्री का दर्जा देकर उनकी योग्यता की प्रामाणिकता को सिद्व किया है। श्री प्रभुलाल सैनी को पुन: मंत्री बनायें जाने पर माली सैनी समाज के विभिन्न संगठनों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए इसे माली समाज के लिए ऐतिहासिक व हितकर कदम बताया है। सम्पूर्ण प्रदेश से श्री सैनी को बधाइयों का तांता लगा हुआ है। माली सैनी संदेश परिवार श्री प्रभुलाल सैनी को हार्दिक बधाई प्रेषित करते हुए उनके उज्जवल व सफलतम कार्यकाल की मंगलकामना करता है। हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि श्री प्रभुलाल सैनी पूर्व की भांति इस बार भी दी गई जिम्मेदारी से प्रदेश के लोगों का भला करेगें।

मानव अधिकार आयोग में जादय प्रदेश उपाध्यक्ष बने

इंदौर।अखिल भारतीय मानव अधिकार परिषद् सामाजिक स्वतंत्र न्याय नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री ए. राजू एडवोकेट एवम् राष्ट्रीय चयन समिति चैयरमेन माननीय कर्नल शिवप्रतापसिंहजी की अनुमति से पत्रकार हुकमचन्द जादम सैनी को मध्यप्रदेश का उपाध्यक्ष मनोनित होने पर सरदार राजू खनूजा, शिव कोदिया, लख्मीनारायण आसिवाल, सुधीर सैनी, महेश बुढ़ाना, जाकिर खान, शैलेन्द्र वर्मा, कैलाशचन्द टांक, रवि सैनी, दिलीप सैनी, मोहन खलीफा, मोहम्मद हुसैन, अशोक वर्मा, शाजापुर, पत्रकार बद्री वर्मा महिदपुर, हरिनारायण पुष्पद सारंगपुर, उमेश सैनी भोपाल, दिनेश कुमार सैन इटारसी, प्रेमचन्द सैनी खण्डवा, अमित कुमार सैनी हरदा, सुनील कुमार मालाकार, रमेशचन्द गेहलोद अलिराजपुर, राजेश सैनी झाबुआ, अर्जुन सैनी नीपच, मोहनलाल सैनी जावरा, कू जयकुमार शर्मा ग्वालियर, गंगाप्रसाद सैनी छतरपुर एवम् सम्पूर्ण प्रदेश से बधाईयां दी।

रमेश देवड़ा निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित

जोधपुर। राजस्थान पेंशनर समाज जिला शाख जोधपुर क चुनाव गीता भवन के समागार के सम्पन्न हुऐ। जिसमें श्री रमेश चन्द्र देवड़ा जिलाध्यक्ष के पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुऐ। चुनाव अधिकारी ए आसवानी ने जानकारी कराई कि 5 प्रत्याशियों के द्वारा नाम वापिस लेने के कारण श्री रमेश चन्द्र देवड़ा को निर्विरोध अध्यक्ष घोषित किया गया।

इस अवसर पर देवड़ा ने अपने उद्बोधन में कहा कि मेर लक्ष्य सभी उप शाखाओं के सहयोग से 1000 मेम्बर प्रतिवर्ष बनाने का रहेगा। देवड़ा पूर्व में राजस्थान शिक्षक संघ के 15 वर्षो तक जिलाध्यक्ष पद पर कार्य कर चूके है। उन्होंने बताया कि बिलाड़ा, शेरगढ़, बालेसर और बावड़ी में राजस्थान पेंशनर समाज की उपशाखाएँ बनाई जायेगी। वहाँ पर पेंशनर समाज के भवन बनवाने का लक्ष्य रहेगा।

देवाराम सैनी बने अशोक गहलोत क निजी सचिव

जयपुर । नव निर्वाचित राज्य सरकार ने कुछ आरएएस अधिकारियों के स्थानान्तरण किय हैं। इस क्रम में मुख्य मंत्री कार्यालय के ओ एस डी श्री देवाराम सैनी आर ए एस को स्थानान्तरण कर श्री अशोक गहलोत, विधायक का निजी सचिव बना दिया है।

नववर्ष 2014 की समस्त पाठकों
एवं विज्ञापनदाताओं को
हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

- सम्पादक

निःशुल्क योग प्राणयाम केन्द्र के 8 वर्ष पूर्ण

जोधपुर 7 नवम्बर। मानव जवन में सभी आयु वर्ग के लोगों के लिये योगाभ्यास नित्य करना अति आवश्यक है। नित्य योग प्राणायाम करने से मनुष्य में धरवी जैसा धैर्य, पवन जैसा वेग, आकाश जैसी विशालता और समुद्र जैसी गहराई स्वत: ही उत्पन्न हो जाता है उसकी सोच सकारात्मक हो जाती है जिससे अच्छे कार्य करने की रूचि जागृत होती है। जो मनुष्य को सदैव आगे बढ़ाने में सहायक होती है। राजस्थान पैशंनर समाज जिला शाखा जोधपुर के अध्यक्ष रमेश देवड़ा निशुल्क: योग प्राणायाम केन्द्र के वार्षिक समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। अध्यक्षता पद से अपने उद्बोधन में आनन्द सिंह निर्माण ने बताया कि इस कोलाहल भरे युग में प्रदुषण से बचने का एकमात्र उपाय नित्य योग-प्राणायाम करना है। सचिव लता चन्द सिन्धी ने अपने उद्बोधन में जानकारी देते हुए बताया कि पिछले 8 वर्षो से 365 दिन लगातार सवत गार्डन सर्किट हाउस के सामने निशुल्क योग प्राणायाम कराया जाता है और प्रतिवर्ष 1500 व्यक्ति लाभान्वित होते है। योग शिक्षक सुरेन्द्र कछवाहा ने यस्त्रिका, कपाल अति, अनमोल-विलोम, भ्रामरी, वाहंय बन्द की जानकारी कराई। इस अवसर पर 21 महिला-पुरूषों की उनकी सराहनीय सेवाओं के सम्मानित किया गया।

आचार्यजी कुचामन सिटी में सम्मानित।

भगवद्गीता पर दिया व्याख्यान

कुचामनसिटी (नागौर) की प्रसिद्ध सार्वजनिक संस्था 'श्री कुचामन पुस्तकालय' ने 13 दिसम्बर 2013 को 'गीता जयन्ती' के अवसर' श्रीमद् भगवद्गीता' पर व्याख्यान देने के लिए संस्कृत एवं संस्कृति के प्रकाणु विद्वान आचार्य राम गोपाल शास्त्री, फतेहपुर शेखावाटी (सीकर) को आमंत्रित किया। आचार्य जी ने पुस्तकालय भवन में ऊपर की मंजिल पर बने 'सभा हाल' में नगर के सैकड़ों प्रबुद्ध पुरूषों-महिलाओं एवं छात्र-छात्राओं में। भगवद्गीता की सार्वभौमिकता एवं वर्तमान समय में प्रासंगिता' विषय पर गीता के उद्धरण बोलकर व्याख्यान दिया। आचार्य जी ने बताया कि गीता आत्मा को झकझोर देने वाला, जगा देने वाला ग्रंथ है। उन्होंने अनेक श्लोकों मे से एक श्लोक यह बोला-

क्लैब्यं मा स्म गमः पार्थ, नैतत्त्वय्युपपद्यते
क्षुद्रं हृदयदौर्बल्यं, त्यक्वोत्तिष्ठ परन्तप।।

हे मानव। कमजोरी, कायरता, नपुंसकता तुममें होना उचित नहीं है। तू परन्तप, परम तपस्वी, परिश्रमी, कर्मशील, त्यागी बन तथा अपने हृदय की तुच्छ दुर्बलता को त्याग कर, सबल, ओजस्वी, तेजस्वी, स्वाभिमानी, आत्मबल का स्वागमी बन। मुख्य वक्ता आचार्य जी के विद्वत्तापूर्ण व्यख्यान ने सभा को भाण विभोर कर दिया। श्री कुचामन पुस्तकालय के अध्यक्ष श्री गुलाबचन्द शर्मा (से.नि.जिला शिक्षा अधिकारी, माध्यमिक शिक्षा), प्राचार्य कुचामन महाविद्यालय श्री एम.एल. मण्डोत, सभापति श्री श्यामसुन्दर मंत्री ने माला पहनाकर, शॉल ओढाकर, प्रशस्तिपत्र तथा साहित्य भेंटकर आचार्य जी को सम्मानित किया।

विभिन्न समाचार

मलमास की मान्यता गलत है।

आचार्य राम गोपाल सैनी, फतेहपुर (सीकर)
मो.9887393713

फिर ज्योतिषी तथा पुरोहितों ने धनु संक्रान्ति पर मलमास तथा खरमास घोषित कर 16 दिसम्बर 16 से 14 जनवरी 14 क के एक मोह के समय को शुभ कार्यों के लिए निषिद्ध घोषित किया हैं इसी प्रकार वे मीन संक्रान्ति के नाम पर मार्च से अप्रेल 14 तक के समय को फिर मलमास (खरमास) घोषित करेंगे। इस दौरान वे विवाह, नवीन भवन का शिलान्यास, प्रवेश, व्यापार प्रारंभ, आदि सभी शुभ कामों के लिए मना करते हैं।

शुभकार्यों पर रोक लगाना गलत है। सूर्य वर्ष भर में 12 संक्रान्तियों पर परिक्रमण करता है किन्तु इनमें से कोई भी संक्रान्ति अशुभ नहीं होती है। धनु तथा मीन संक्रान्ति को अशुभ घोषित करना मनमानी है, गलत है। इन गलत घोषणाओं को नहीं मानना है तथा हमें विवाह, भवन शिलान्यास, नवीन भवन प्रवेश, नवीन व्यापार प्रारंभ एवं अन्य सभी शुभ कार्य चालू रखने हैं।

मार्च-अप्रेल के महीने तो सर्दी एवं गर्मी दोनों का अभाव होने से अच्छे रहेते हैं। ऐसे बढ़िया समय को 'मलमास' घोषित करना कितना मूर्खतापूर्ण है।

मुहूर्त के बारे में सबसे अच्छी मान्यता स्वामी दयानन्द सरस्वती की है। वे कहे हैं-जिस समय परिवार के लोगों को सब प्रकार से सुभीता (सुविधा) हो तथा सब लोगों का मन प्रसन्न हो, वही उत्तम मुहूर्त है।

तथा कथित मलमास में विवाह करने वाले बहुत फायदे में रहते है। मनावांछित धर्मशाला, गेस्टहाउस, विवाह स्थल, गार्डन मिल जाता है। बैण्ड बाजा, डी.जे., हलवाई, पण्डित, घोड़ी आदि सुविधा पूर्वक तथा कम रेट में मिलते हैं। बाजार में अधिक मांग न होने के कारण घी, दूध, फल, सब्जी, पनीर आदि सामान सस्ते मिलते हैं। सावों की अधिकता न होने से सभी रिश्तेदार व मिभजन आ सकते हैं।

माली सैनी सन्देश
द्वारा वर्ष 2014
समाज की कुलदेवी गौत्र
अनुसार कैलेण्डर
का प्रकाशन किया गया है।
निःशुल्क कैलेण्डर
प्राप्त करने के लिए
कार्यालय से सम्पर्क करें

9414475464
9214075464

धन्य हैं सामाजिक कार्यकर्ता

आचार्य राम गोपाल सैनी, प्राचार्य
मो. 9887393713

समाज सेवा करना कठिन है, बहुत कठिनं कवि भर्त्हरि ने 'नीतिशतक' में लिखा है-

सेवा धर्मो परमगहनो योगिनामप्यगम्यः।

सेवाधर्म बहुत गूढ हैं। उसे योगी लोग भी नहीं समझ पाये।

वे लोग धन्य हैं जो सामाजिक संस्थाओं में पदाधिकारी रहकर कार्य करते हैं। वे परोपकार करते हैं किन्तु बदले में उन्हें लोगों से निन्दा, उपेक्षा, तिरस्कार, अपमान, पैसा खा जाने का आरोप, कटुवचन मिलते हैं।

संत तुलसीदासजी ने रामचरित मानस में लिखा है-

बूँद अघात सहे गिरि ऐसे।
खल के वचन संत सहँ जैसे।।

वर्षा में पर्वत बूँदों के निरन्तर होने वाले आघातों को उसी प्रकार चुपचाप सहन करता रहता है जिस प्रकार संत लोग दुष्टों के कटुवचनों को चुपचाप पीते रहते हैं। विष को पीकर ही शुम्भ' 'जगदीश' कहलाये थे। उसी प्रकार सामाजिक कार्यकर्ता भी लोगों द्वारा किये गये घावों को सहलाते हुए कटुवचन व निन्दा रूपी विष को पीकर भी उन पीड़ा दाताओं पर अमृतवर्षा करता रहता है।

बहुत कम लोग सामाजिक संस्थाओं में भाग लेते हैं क्योंकि सामाजिक कार्यकर्ताओं को शारीरिक परेशानी भोगनी पड़ती है, अपना समय, श्रम, धन खर्च करना पड़ता है। अपने रोजगार में कम समय दे पावने के कारण उसे आर्थिक घाटा होता है। राम दिन घर पर आने वालों को चाय-कॉफी पिलाने, नाश्ता करवाने तथा दूसरे स्थानों से आने वालों का खाना खिलाने से घर के बजट पर असर पड़ता है। सामाजिक कार्यो के लिए जनसम्पर्क करने में कार, मोटरसाईकिल का पेट्रोल खर्च, टेलीफोन का खर्च बढ़ता है। दूसरे गाँवों में जाने पर यात्रा व्यय होता है। संस्थाओं में आयोजनों में दान भी देना पड़ता है।

संत कबीर ने ठीक ही कहा था-

कबीरा खड़ा बाजार में लिए लकुटी हाथ।
जो घर जारै आपनो, हुवै हमारे साथ।।

जो अपने घर को नुकसान बरदास्त करने की हिम्मत रखता है वही व्यक्ति समाजसेवा के क्षेत्र में उतर सकता है। उसके घर के काम तो बकाया पड़े रहते हैं और वह समाज के काम करता है। घर में बच्चा बीमार पड़ा है, उसे वह डाक्टर को नहीं दिखा सकता है और संस्था के कार्य से यात्रा पर जा रहा है।

ऐसे त्यागी, तपस्वी जन ही तो कुछ कर गुजरते हैं। ऐसे ही लोग देवता और भगवान कहलाते हैं। ऐसे त्यागी, तपस्वियों, परोपकारी जनों को नमन।

माली सैनी सन्देश के आजीवन सदस्य सूची

श्री रामचंद्र गोविंदराम सोलंकी, जोधपुर
श्री नरेश स्व. श्री बलदेवसिंह गहलोत,जोधपुर
श्री प्रभाकर(पूर्वअध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बाबूलाल(पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बंशीलाल मरोठिया, पीपाड़
श्री बाबूलाल पुत्र श्री दयाराम गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री हापुराम देवड़ा, मथानियां
श्री अमृतलाल पुत्र श्री ब्रह्मसिंह परिहार, जोधपुर
श्री भोमाराम पंवार(पूर्व उपाध्यक्ष, नगरपालिका, बालोतरा
श्री रमेशकुमार पुत्र श्री शंकरलाल गहलोत, बालोतरा
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री मोहनलाल सुंदेशा, बालोतरा
श्री वासूदेव पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, बालोतरा
श्री मेहश पुत्र श्री भगवानदास चौहान, बालोतरा
श्री हेमाराम पुत्र श्री रूपाराम पंवार, बालोतरा
श्री छगनलाल पुत्र श्री मिश्रीलाल गहलोत, बालोतरा
श्री सोनाराम पुत्र श्री देवाराम सुंदेशा, बालोतरा
श्री सुजाराम पुत्र श्री पुनम सुंदेशा, बालोतरा
श्री नरेन्द्रकुमार पुत्र श्री अणदाराम पंवार, बालोतरा
श्री शंकरलाल पुत्र श्री मिश्रीमल परिहार, बालोतरा
श्री घेवरचंद पुत्र श्री भोमजी पंवार, बालोतरा
श्री रामकरण पुत्र श्री किशनाराम माली, बालोतरा
श्री रतन पुत्र श्री देवजी परिहार, बालोतरा
श्री कैलाश काबली(अध्यक्ष माली समाज), पाली
श्री घीसाराम देवड़ा(मंडल महामंत्री, भाजपा), भोपालगढ़
श्री शेषाराम पुत्र श्री श्यामलाल टाक, पीपाड़
श्री बाबूलाल माली, (पूर्व सरपंच, महिलावास) सिवाणा
श्री रमेशकुमार सांखला, सिवाणा
श्री श्रवणलाल कच्छवाहा, लवेरा बावड़ी
संत श्री हजारीलाल गहलोत, जैतारण
श्री मदनलाल गहलोत, जैतारण
श्री राजूराम सोलंकी, जालोर
श्री जितेन्द्र जालोरी, जालोर
श्री देविन लच्छाजी परिहार, डीसा
श्री हितेशभाई मोहनभाई पंवार, डीसा
श्री प्रकाश भाई नाथालाल सोलंकी, डीसा
श्री मगनलाल गीगाजी पंवार, डीसा
श्री कांतिभाई गलबाराम सुंदेशा, डीसा
श्री नवीनचंद दलाजी गहलोत, डीसा
श्री शिवाजी सोनाजी परमार, डीसा
श्री पोपटलाल चमनाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री भोगीलाल डायाभाई परिहार, डीसा
श्री मुकेश ईश्वरलाल देवड़ा, डीसा
श्री सुखदेव वक्ताजी गहलोत, डीसा
श्री दरगाजी अमराजी सोलंकी, डीसा
श्री भरतकुमार परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री जगदीश कुमार रमाजी सोलंकी, डीसा
श्री किशोरकमुार सांखला, डीसा
श्री बाबूलाल गीगाजी टाक, डीसा
श्री देवचंद, रगाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सतीशकुमार लक्ष्मीचंद सांखला, डीसा
श्री गणपतलाल नारायण सोलंकी, डीसा
श्री रमेशकुमार भूराजी परमार, डीसा
श्री वीराजी चेलाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सोमाजी रूपाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री शंकरलाल नारायणजी सोलंकी, डीसा
श्री फुलाजी परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री अशोककुमार पुनमाजी सुंदेशा, डीसा
श्री देवाराम पुत्र श्री मांगीलाल परिहार, जोधपुर
श्री संपतसिंह पुत्र श्री बींजाराम गहलोत, जोधपुर
श्री भगवानराम पुत्र श्री अचलुराम गहलोत, जोधपुर
श्री जितेन्द पुत्र श्री प्रेमसिंह कच्छाहा, जोधपुर
श्री सीताराम पुत्र श्री रावतमल सैनी, सरदारशहर
श्री जीवनसिंह पुत्र श्री शिवराज सोलंकी, जोधपुर
श्री घेवरजी पुत्र श्री भोमजी, सर्वोदय सोसायटी, जोधपुर
श्री जयनाराण गहलोत, चौपासनी चारणान, मथानियां
श्री अशोककुमार पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री मोहनलाल पुत्र श्री पुरखाराम परिहार, चौखा, जोधपुर
श्री प्रेमकिशन पुत्र श्री भंवरलाल सोलंकी, चौखा
श्री हरीसिंह पुत्र श्री चुन्नीलाल गहलोत, जैसलमेर
श्री विजय परमार, तुषार मोटर्स एण्ड कंपनी, भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी, भीनमाल
श्री शिवलाल परमार, भीनमाल
श्री ओमप्रकाश परिहार, राजस्थान फार्मेसिया, जोधपुर
श्री प्रेमप्रकाश सैनी, मिलन रेस्टोरेण्ट, सीकर
श्री लक्ष्मीकांत पुत्र श्री रामलाल भाटी, सोजतरोड़
श्री रामअकेला, पुत्र श्री गोकुलराम सैनी, पीपाड़ शहर
श्री नरेश देवड़ा, देवड़ा मोटर्स, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह सांखला, सांखला सिमेंट, जोधपुर
श्री कस्तुरराम पुत्र श्री हिमाजी सोलंकी, भीनमल
श्री सांवरराम परमार, भीनमाल
श्री भारताराम परमार, भीनमाल
श्री विजय पुत्र श्री गुमानराम परमार, भीनमाल
श्री डी. डी. पुत्र श्री भंवरलाल भाटी, जोधपुर
श्री ब्रजमोहन पुत्र स्व. श्री रामस्वरूप परिहार, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह पुत्र श्री किशोरलाल परिहार, जोधपुर
श्री जयसिंह पुत्र श्री ओमदत्त गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री मदनलाल गहलोत, जोधपुर
श्री समुन्द्रसिंह पुत्र श्री नारायणसिंह परिहार, जोधपुर
श्री हिम्मतसिंह पुत्र श्री हरीसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमानसिंह पुत्र श्री बालूराम सैनी, आदमपुरा
श्री अशोक सांखला, पीपाड़
श्री अशोक पुत्र श्री सोहन सांखला, जोधपुर
श्री नटवरलाल माली, जैसलमेर
श्री दिलीप तंवर, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पंवार, जोधपुर
श्री संपतसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री जगदीश सोलंकी, जोधपुर
श्री मुकेश सोलंकी, जोधपुर
श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर
श्री अमित पंवार, जोधपुर
श्री राकेशकुमार सांखला, जोधपुर
श्री रविन्द्र गहलोत, जोधपुर
श्री रणजीतसिंह भाटी, जोधपुर
श्री तुलसीराम कच्छवाहा, जोधपुर
सैनी उच्च माध्यमिक विद्यालय, भोपालगढ़
माली श्री मोहनलाल परमार, बालोतरा
श्री अरविंद सोलंकी, जोधपुर
श्री सुनील गहलोत, जोधपुर
श्री कुंदनकुमार पंवार, जोधपुर
श्री मनीष गहलोत, जोधपुर
श्री योगेश भाटी, अजमेर
श्री रामनिवास कच्छवाहा, बिलाड़ा
श्री प्रकाशचंद सांखला, ब्यावर
श्री झूमरलाल गहलोत, जोधपुर
श्री गुमानसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अशोक सोलंकी, जोधपुर
श्री महावीर सिंह भाटी, जोधपुर
श्री जयप्रकाश कच्छवाहा, जोधपुर
श्री अशोक टाक, जोधपुर
श्री नरेन्द्रसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री मदनलाल गहलोत, सालावास, जोधपुर
श्री नारायणसिंह कुशवाहा, मध्य प्रदेश
श्री भंवरलाल देवड़ा, बावड़ी, जोधपुर
श्री जवाराराम परमार, रतनपुरा (जालोर)
श्री रूड़ाराम परमार, सांचौर
श्री जगदीश सोलंकी, सांचौर
श्री कपूरचंद गहलोत, मुबंई
श्री टीकमचंद प्रभुराम परिहार, मथानिंया
श्री अरूण गहलोत, गहलोत क्लासेज, जोधपुर
श्री विमलेश नेनाराम गहलोत, मेड़तासिटी (नागौर)
श्री कैलाश ऊँकारराम कच्छवाहा, जोधपुर
माली (सैनी) सेवा संस्थान सब्जी मण्डी, पीपाड़

माली सैनी सन्देश

ही क्यों ?

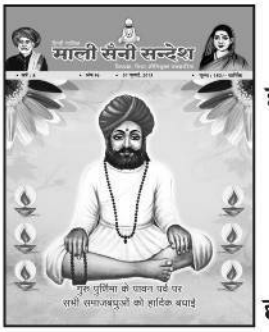

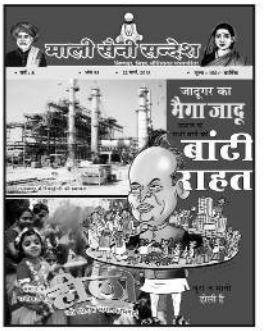

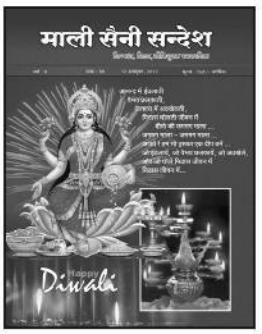

क्योंकि

हमारे पास है सैकड़ों एन. आर. आई.
सहित पांच हजार पाठकों
का विशाल संसार

क्योंकि

हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक
गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी
जो कि समाज में हो रही है।

हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि
हमारी क्रियेटिव टीम के साथ
यह सजाती है आपके ब्रांड को पूरे
देश ही नहीं विदेश में भी।

RATES

Advertisements

COLOR (Full Page)

Back Cover	6,000/-
Inside Cover	4,000/-
Color Page	2,500/-

BLACK

Full Page	2,500/-
Half Page	1,500/-
Quarter Page	1,000/-

write us : P. O. Box 09, Jodhpur
Cell : 94144 75464, 92140 75464
log on : www.malisainisandesh.com
e-mail : malisainisandesh@gmail.com
e-mail : editor@malisaini.org

क्योंकि सच्चा सफर कभी समाप्त नहीं होता . . .

कार्यालय : 3, जवरी भवन, भैरूबाग
मंदिर के सामने, महावीर काम्पलेक्स
के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर

अमरापुरा नागौर में संत श्री लिखमीदासजी महाराज का मन्दिर
भव्य आकार लेते हुए

प्रथम पुण्य स्मृति पर अश्रुपूरित श्रृद्धांजलि

आपके साथ बीता हर पल,
हर क्षण, हर वक्त, याद आता है।
और हर सफलता का कदम,
आपकी कमी का एहसास दिलाता है।।

स्व. श्री राजेन्द्रसिंह सौलंकी

की प्रथम पुण्यतिथि (21.12.2013)
पर सादर श्रद्धासुमन एवं नमन्।

श्रद्धावनत : सरिता (पत्नि), योगेन्द्रसिंह - प्रेरणा (पुत्र-पुत्रवधु), भव्य भुवन (पौत्र), रीताजी-भैरव (बहन बहनोई)
अर्चना-मनीषजी, अनिला-संदीपजी (पुत्री-दामाद), धैर्य, तन्मय (दोहिते) एवं समस्त सोलंकी परिवार

फर्म :
श्री आनन्द स्टोन इण्ड. कोटा
राजेन्द्र स्टोन कोटा

निवास : गुमानपुरा, कोटा/नैनची बाग,
सूरसागर, जोधपुर

RAJHIN 16445/20/1/2013-TC

हार्दिक बधाई

श्री प्रभुलाल सैनी

के लगातार तीसरी बार विधायक चुने जाने तथा
कृषि, पशुपालन, मतस्य एवं डेयरी केबिनेट मंत्री नियुक्त
किये जाने पर हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं

शुभेच्छु :

माली सैनी सन्देश परिवार

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं संपादक मनीष गहलोत के लिए
मुद्रक यशवंत भण्डारी द्वारा भण्डारी ऑफसेट, न्यू पॉवर हाऊस सेक्टर 7,
जोधपुर से मुद्रित एवं माली सैनी संदेश कार्यालय
सोजती गेट के अंदर, जोधपुर से प्रकाशित।
फोन : 9414475464 ई-मेल : malisainisandesh@gmail.com

पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR

log on : www.malisainisandesh.com; www.malisaini.org